भाखड़ा ब्यास प्रबन्ध बोर्ड सचिवालय

सेक्टर 19-बी, मध्य मार्ग, चण्डीगढ़

प्रैस विज्ञप्ति दिनांक 19.08.2019

विषयः भाखड़ा बांध में स्पिलवे गेट से सीमित जल निकासी एवं आने वाली बाढ़ का विनियमन करके डाउनस्ट्रीम एरिया को बचाया

चण्डीगढ़: भाखड़ा बांध के जलाशय का जल स्तर दिनांक 19.08.2019 को प्रातः 10 बजे अनुमत जल भण्डारण स्तर 1680 फीट की तुलना में 1681 फीट है। दिनांक 16.08.2019 को सतलुज से तिब्बत तक बांध के स्थलों पर सतलुज नदी के सम्पूर्ण कैंचमैंट एरिया में भारतीय मौसम विभाग द्वारा उपलब्ध पूर्वानुमान का ध्यान रखते हुए भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड ने यह निर्णय लिया है कि दिनांक 16.08.2019 से लगभग 538 क्यूमेक (19,000 क्यूसेक) पानी, टरबाइनों से छोड़े गए पानी के अतिरिक्त, स्पिलवे से छोड़ने का निर्णय लिया, इस अति कम पानी छोड़ने के निर्णय से बांध के डाऊनस्ट्रीम के नदी नालों में उत्पन्न हो रहे पानी के जमाव को कम किया जा सका है।

दिनांक 17 तथा 18 अगस्त की मध्य रात्रि से भाखड़ा बांध के कैंचमैंट एरिया, पौंग बांध तथा पंजाब के निचले भागों में भारी बारिश हो रही थी। इन भारी बारिशों के परिणामस्परूप 18.08.2019 को भाखड़ा बांध जलाशय में प्रातः 7 बजे 3,11,130 क्यूसेक जल बहाव आने के कारण जल स्तर, बाढ़ के शीर्ष पर पहुँच गया। ऐाा सतलुज नदी में ब्यास-सतलुज लिंक परियोजना के माध्यम से ब्यास नदी के 8500 क्यूसेक जल के बहाव को बंद करने के बावजूद हुआ। इसका तात्पर्य है कि वर्ष 1988 की बाढ़ जो लगभग 3,18,000 क्यूसेक रिकार्ड की गई थी, यह उससे भी अधिक है। पंजाब में सभी छोटे नदी नालों के कैचमैंट एरिया भाखड़ा बांध के डाउनस्ट्रीम अर्थात् सिरसा, स्वांण, लोहाण्ड, इत्यादि ने लगभग 2,00,000 क्यूसेक भारी इनफ्लो/बाढ़ उत्पन्न की। पंजाब में भारी बारिश होने के कारण इन नदियों में 2,00,000 क्यूसेक अन्तर्वाह आया।

तथापि भाखड़ा से सीमित जल छोड़ने के हर संभव प्रयास किए गए जबकि वर्तमान जल स्तर 1681 फीट को ध्यान में रखते हुए और जलाशय में 1,00,000 क्यूसेक से अधिक भारी इनफ्लो को देखते हुए भाखड़ा बांध के स्पिलवे के माध्यम से 538 क्यूमेक (19,000 क्यूसेक) से 1161 क्यूमेक (41,000 क्यूसेक) पानी को छोड़ने का निर्णय लिया गया, जो टरबाइनों से छोड़े गए पानी के अतिरिक्त है। यह स्पिलवे द्वारा छोड़ा गया पानी स्पिलवे की कुल क्षमता का लगभग 14% होगा।

बीबीएमबी ने पौंग बांध से विद्युत का उत्पादन बंद कर दिया है, इस प्रकार हरिके बैराज में बाढ़ को रोकने हेतु पौंग बांध में विद्युत उत्पादन के लिए 10,000 क्सूसेक पानी को छोड़ना भी बंद कर दिया है।

भाखड़ा बांध में जल की स्थिति की निरन्तर निगरानी की जा रही है तथा नियंत्रणाधीन है। बांध की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं और इसके साथ-साथ डाउनस्ट्रीम में स्पिलवे के माध्यम से यथासंभव न्यूनतम पानी छोड़ा जा रहा है।

सचिव

सेवा में

समाचार सम्पादक